

पुनः पत्रावली पर पुनः
व्यावत् यह पत्रावली राज
सोड शहाबुल-कम्प कोर्ट खिवाब्दी
में आदेश दिनांक 28/6/2016 को पेश है

उपखण्ड अधिकारी
सुमेरपुर, जिला-पाली

23/6/2016

पत्रावली राजस्थान लोक अधिनियम
कम्प कोर्ट खिवाब्दी में पेश हुई
पत्रावली पर स्थलबद्ध रेफरि
संख्या 288/नि. वल्लभ की रिपोर्ट
दिनांक 30/5/2016 संलग्न की
दलील और साथ साथ बलान के
क्र. सं. 806 व 807 में ले धारा 251A
P.T. Act के संलग्न शर्तों के
धारा 5 के अन्तर्गत आदेश

उपखण्ड अधिकारी
सुमेरपुर, जिला-पाली (राज)

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

आदेश नं. 807 का विचार हो चुका है व मामला नं. 207 भी दाय है।
चुका ही जाय है खजाना नं. 807 से संबंधित राजस्व वाद पारु बनाम मांगीलाल अन्तर्गत धारा 53, 88, 188 र.ज.अ.क. के तहत वाद विचार होने से पूर्व 807 की शर्त-वादकान्त है।

अर्पण पत्र में बताने का प्रतीति मांगीलाल के विचार में जानना नहीं होने से शर्त खजाना नं. 807 की शर्त-वादकान्त होने से तथा 286 नि. राजगढ़ की प्रतीति रिपोर्ट अनुसार खजाना नं. 806, 807 के बनिपान निकटतम क्रम सं. 28 वि.ज. नं. सि. (निवापन) में हो खजाना नं. 787 वि.ज. नं. राज. तक उपलब्ध है।

अतः शर्त पलवी (पिल) का अर्पण पत्र बताने धारा 251 (A) र.ज.अ.क. का पौधनीय होने से शर्त-वादकान्त (क्रिय) जाना है।

पत्रावली क्रमांक 207 का नं. 5 का क्रम है।

उपरोक्त अधिकारी
सुमेरपुर, जिला-पाली (राज.)